मुर्गी और मगरमच्छ

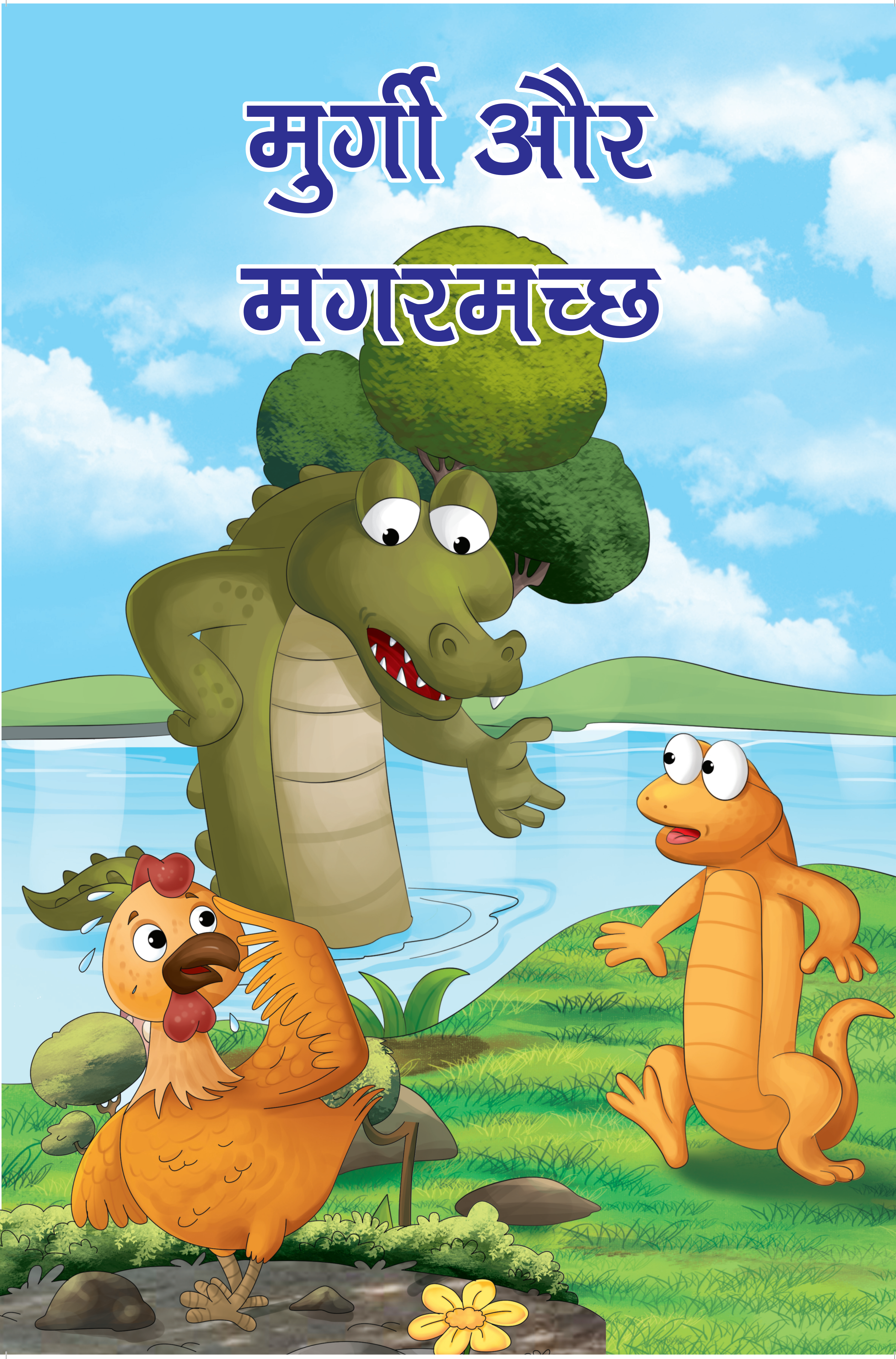

Copyright © Language and Learning Foundation 2020
All rights reserved.

एक मुर्गी थी। उसे प्यास लगी।

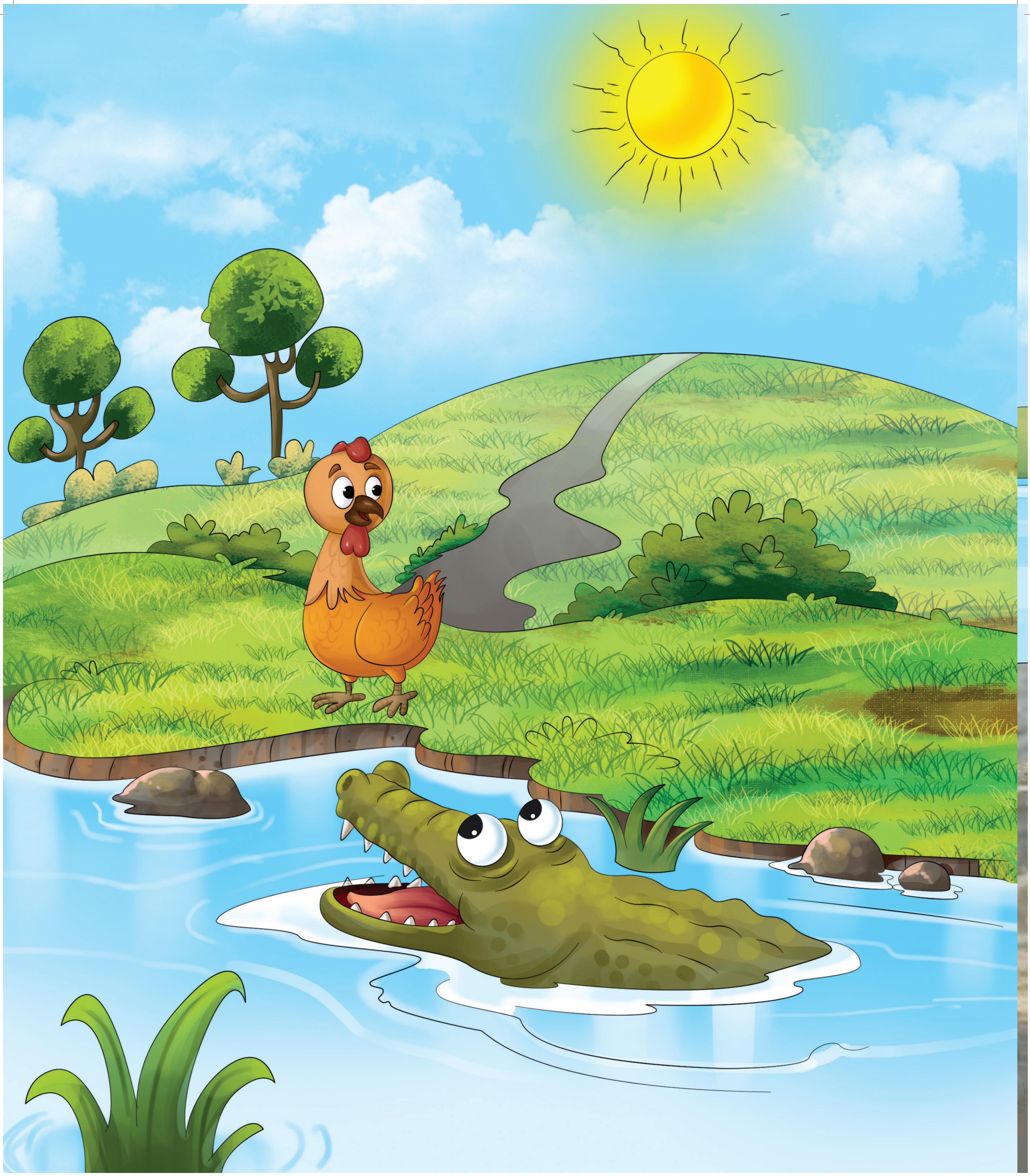

वो नदी पर पानी पीने गई।
नदी में एक मगरमच्छ रहता था।

मुर्गी नदी में पानी पीने लगी।
मगरमच्छ ने कहा– मैं तुझे खाऊँगा।

मुर्गी डर गई। वह बोली– मुझे छोड़ दो। मैं तो तुम्हारी बहन हूँ।

मगरमच्छ ने मुर्गी को जाने दिया।

मगरमच्छ सोचने लगा- उसने मुर्गी को क्यों जाने दिया? तभी एक छिपकली वहाँ आई।

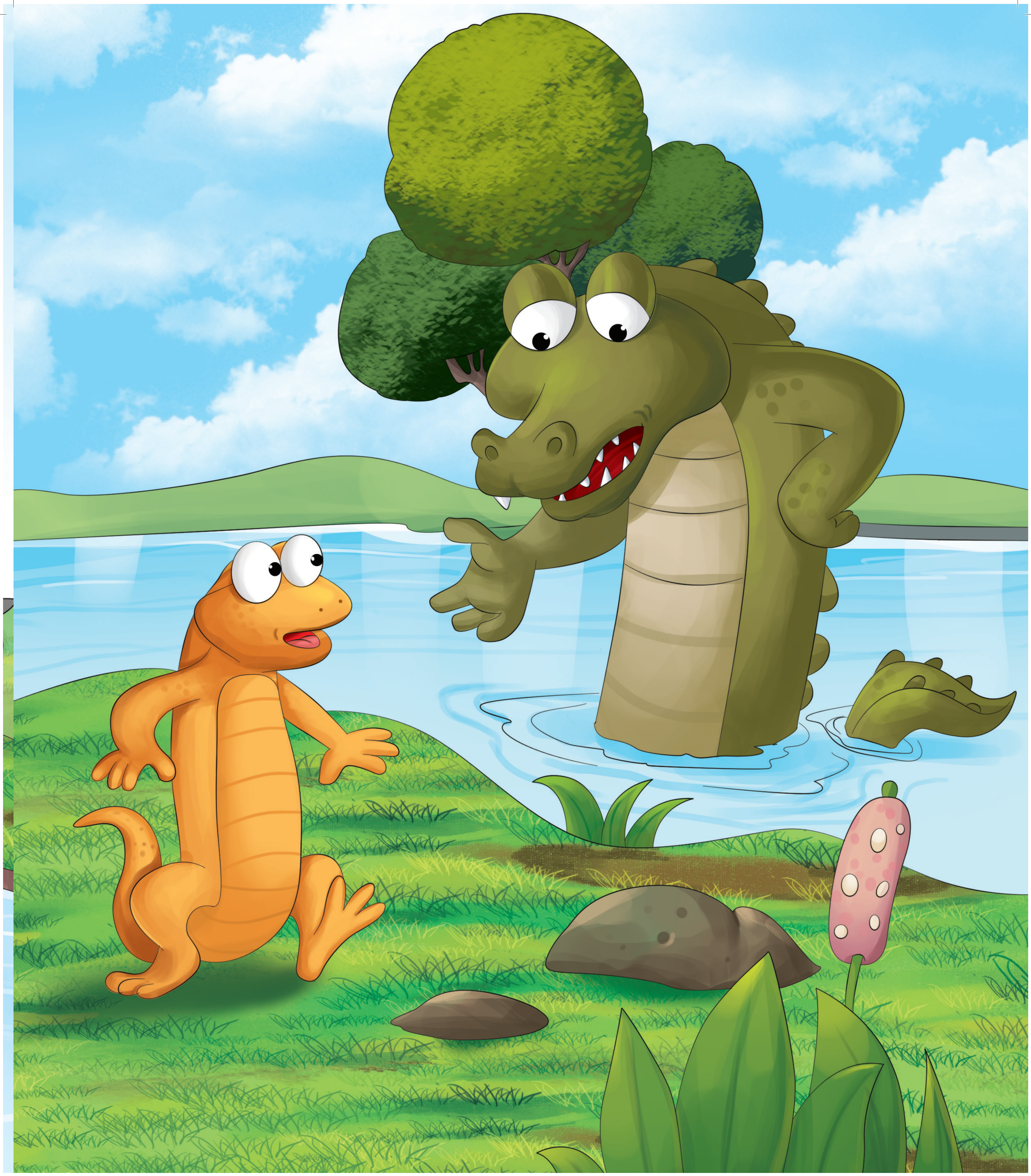

मगरमच्छ ने छिपकली से पूछा–
बताओ, मुर्गी मेरी बहन कैसे हुई?

छिपकली बोली– तुम और मुर्गी
दोनों अण्डे से पैदा हुए हो।
इसलिए तुम दोनों भाई–बहन हो।

मुर्गी और मगरमच्छ

एक मुर्गी थी। उसे प्यास लगी। वो नदी पर पानी पीने गई। नदी में एक मगरमच्छ रहता था। मुर्गी नदी में पानी पीने लगी। मगरमच्छ ने कहा- मैं तुझे खाऊँगा। मुर्गी डर गई। वह बोली- मुझे छोड़ दो। मैं तो तुम्हारी बहन हूँ। मगरमच्छ ने मुर्गी को जाने दिया। मगरमच्छ सोचने लगा- उसने मुर्गी को क्यों जाने दिया? तभी एक छिपकली वहाँ आई। मगरमच्छ ने छिपकली से पूछा- बताओ, मुर्गी मेरी बहन कैसे हुई? छिपकली बोली- तुम और मुर्गी दोनों अण्डे से पैदा हुए हो। इसलिए तुम दोनों भाई-बहन हो।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP